

R- 291 - I | 2005

R 291 - I | 2005

कार्यालय कलेक्टर
जिला रीवा (म० प्र०)
20 मार्च ५६
2 MAR 1966

1. सत्यपुष्पकाश दुवे तनय श्री सोहनलाल दुवे
 2. श्री मही उर्मिला दुवे पत्नी श्री सोहनलाल दुवे
विवाहाती गण जय हुन्ज, शिवनगर रीवा, तहसील हुजूर जिला रीवा
- आदेशग्रन्थ

ब ना म

1. श्रीमती मीनाधी दीर्घित पत्नी श्री अशोक कुमार दीर्घित, निवासी
कोठी रोड रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा म. प्र.
 2. रामधिरोमणि गौतम पुत्रगण बलेदव प्रताद गौतम, शिवनगर तहसील
 3. रामलाल गौतम हुजूर जिला रीवा म. प्र.
 4. उमेश कुमार शुक्ला तनय श्री तुर्यमणि शुक्ला निवासी बोदा तहसील- हुजूर
जिला रीवा म. प्र.
 5. म. प्र. शासन
- आदेशग्रन्थ

क्रमांक ११९६३

राजिरर्ड पोस्ट छाया आज
दिनांक ७-३-८८ को प्राप्त

मान्यवर,

कलर्क ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. उदायियर

प्रकरण के तथ्य :-

यह कि अनावेदिका क्रं.-। द्वारा अपर कलेक्टर महोदय के तम
107/5 म.प्र. मृ. राजस्व संहिता का आवेदन पत्र विवादित भूमि के नक्ष
सुधार किये जाने वाला प्रस्तुत किया जिसमें उपर कलेक्टर महोदय द्वारा प्र
म को तहसीलदार महोदय के तमाज नक्शा तर्मिम किये जाने देतु कार्यवाही
करने के लिये भेज दिया जिसमें तहसीलदार महोदय द्वारा अधिकारिता पिछ
आदेश पारित करके विवादित भूमि का नक्शा तर्मिम जादेश दिनांक ५-४-८८
को पारित किया जितकी न हो अपर कलेक्टर महोदय द्वारा पुष्टि की गई

क्रमांक २.....



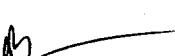
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

मोग - 3

प्रकरण क्रमांक निगरानी 291-एक / 2005

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ते एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
16-03-2017	<p>उभय पक्ष अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ प्रकरण का अवलोकन किया। अपर आयुक्त ने अपने आदेश में स्पष्ट निष्कर्ष निकाला है कि म0प्र0 भू-राजस्व संहिता की धारा 107 के अन्तर्गत नक्शे में हुई त्रुटि को सुधारने के अधिकार कलेक्टर को प्रदत्त हैं। प्रकरण में कलेक्टर द्वारा आदेश पारित किया जाना चाहिए था। कलेक्टर ने अपने प्रकरण क्रमांक 15/अ--74/01-02 में दिनांक 30-6-03 को आदेश पारित कर तहसीलदार को आदेश पारित करने के निर्देश दिये हैं जो संहिता के प्रावधानों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा आदेश दिनांक 5-4-04 को नक्शा सुधार के आदेश दिये हैं जो क्षेत्राधिकार के बाहर है, जिसे अपर कलेक्टर रीवा ने आदेश दिनांक 5-4-04 द्वारा स्थिर रखने में त्रुटि की है। इसी कारण अपर आयुक्त ने अपर कलेक्टर एवं तहसीलदार के आदेशों को निरस्त कर प्रकरण इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया गया है कि वे राजस्व मण्डल के आदेश दिनांक 01-2-02 को दृष्टिगत रखते हुये उभय पक्ष की सुनवाई कर प्रकरण में विधिसंत आदेश पारित करें। अपर आयुक्त द्वारा निकाले गये निष्कर्ष में कोई अवैधानिकता प्रकट नहीं होती है। फलस्वरूप यह निगरानी अधारहीन होने से निरस्त की जाती है। अपर आयुक्त रीवा का आदेश दिनांक 22-11-2004 स्थिर रखा जाता है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p></p> <p></p> <p>(एस०एस० अली) सदस्य</p>	